अनुकरण वाचन-

छात्राध्यापक छात्रों से अनुकरण वाचन करने को कहेगा।

उच्चारण संशोधन-

छात्राध्यापक कक्षा में कुछ छात्रों के अशुद्ध उच्चारण को श्यामपट्ट पर लिखकर शुद्ध करेगा।

कठिन्य निवारण-

शब्द	अर्थ	विलोम	पर्याय	वाक्य प्रयोग
ऐब	दोष		अवगुण	
संकीर्ण	तुच्छ (नीच)			संकीर्ण रूप से कहें तो शासन में पद प्राप्त करना एवं सरकारी पद का उपयोग करना राजनीति है।
जिज्ञासा	जानने की इच्छा	अनुत्सुकता		
भलमनसाहत	सज्जनता		शिष्टता	

व्याख्या-

रामधारी सिंह 'दिनकर' जी ने कहा है कि ईर्ष्या का एक पक्ष लाभदायक भी हो सकता है, क्योंकि जिसके अधीन हर आदमी, हर जाति, हर दल अपने आप को प्रतिद्वन्दी के समकक्ष मानता है, किन्तु यह सब तभी सम्भव है जब ईर्ष्या से जो प्रेरणा मिलती है वह रचनात्मक हो। अक्सर देखा गया है कि अमुक वस्तु मेरे पास नहीं है किन्तु दूसरों के पास है। वह यह नहीं समझ पाता है कि उस वस्तु को कैसे प्राप्त किया जाय और इसके विपरीत वह पड़ोसी, मित्र को अपने सर्वश्रेष्ठ मानकर ईर्ष्या करने लगता है, जबकि वे लोग भी अपने

Scanned with CamScanner

आपसे सन्तुष्ट नहीं होते हैं।

अक्सर देखा गया है कि शरीफ व्यक्ति खुद परेशान रहता है कि उसने तो किसी को हानि नहीं पहुँचाया है बल्कि हमेशा दूसरों की भलाई ही की है, लेकिन ईर्ष्यालु व्यक्ति हमेशा निन्दा ही करता रहता है। इसीलिए ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने कहा है-

"तुम्हारी निन्दा वही करेगा, जिसकी तुमने भलाई की है।"

नीत्से ने ईर्ष्यालु व्यक्ति की तुलना मक्खियों से की है, जो सामने आने पर प्रशंसा और पीठ पीछे निन्दा करती हैं। ये मक्खियाँ बड़े काम की वस्तु है ये हमारी सेवा भी करती हैं हमारे गुणों के लिए सेवा भी करती हैं, हमारे ऐब को माफ भी करती हैं, क्योंकि बड़े लोगों के ऐब को माफ करने में भी इन्हें अपने शान में चार-चाँद लगने जैसा लगता है। नित्से ने कहा है कि-

"आदमी में जो गुण महान समझे जाते हैं, उन्हीं के चलते लोग उनसे जलते हैं।"

ईर्ष्यालु से बचने के उपाय के बारे में नित्से ने कहा है कि

"ईर्ष्यालु को छोड़कर एकान्त में जाओ, जो लोग नये मूल्यों का निर्माण करते हैं वे शोरगुल से दूर एकान्त में रहते हैं।"

ईर्ष्या से बचने के लिए व्यक्ति को मानसिक रूप से अनुशासित होना होगा और उसे फालतू बातों के बारे में सोचने की आदत छोड़नी होगी और यह पता लगाना होगा कि इसके ईर्ष्यालु होने का क्या कारण है और इसे कैसे दूर किया जाए? जिसदिन उस के भीतर यह जिज्ञासा जगेगी, उस दिन से वह ईर्ष्या करना कम कर देगा।

मौन वाचन-

कालाध्यापक कालों से मौन वाचन करने

Scanned with CamScanner

को कहेगा।

पुनरावृत्ति के प्रश्न -

1. लेखक ने ईर्ष्यालु व्यक्ति के चरित्र के भयंकर होने के क्या कारण बताए हैं?

गृह कार्य -

1. ईर्ष्या पर अपने शब्दों में लघु निबन्ध लिखिए।

Scanned with CamScanner